13 मुहावरे और लोकोक्तियाँ
(Idioms and Proverbs)

मुहावरे

आमना सामना होना, खून के आँसू रोना, साँप को दूध पिलाना, अपना उल्लू सीधा करना आदि ऐसे वाक्यांश हैं, जिन्हें हम अक्सर अपने दैनिक जीवन में बोलते, सुनते और पढ़ते हैं। ये ऐसे वाक्यांश हैं, जिनके अर्थ का उनमें प्रयुक्त शब्दों से कोई संबंध नहीं होता बल्कि उनसे भिन्न एवं विशेष अर्थ निकलता है। ऐसे वाक्यांश 'मुहावरे' कहलाते हैं।

परिभाषा– ऐसे वाक्यांश जिनका अर्थ उनके शाब्दिक अर्थ से भिन्न होता है, 'मुहावरे' कहलाते हैं।

कुछ मुहावरे व उनके वाक्य प्रयोग समझिए–

1. **अंधे की लाठी होना** (एक मात्र सहारा होना)
   शर्मा जी का पुत्र उनके लिए अंधे की लाठी है।
2. **आँखें खुलना** (होश में आना)
   छवि का झूठ सुनकर रोहन की आँखें खुल गईं।
3. **आँखों का तारा होना** (बहुत प्यारा होना)
   मेरा पुत्र अपने दादा-दादी की आँखों का तारा है।

4. **ईद का चाँद होना** (बहुत दिनों बाद दिखना)
   जब से गर्मी की छुट्टियाँ हुई हैं, दीपक तो ईद का चाँद हो गया है।
5. **कान भरना** (चुगली करना)
   मौका पाते ही निकुंज ने संतोष के कान भर दिए।

6. **कोल्हू का बैल होना** (बहुत अधिक परिश्रम करने वाला होना)
   रमेश बच्चों को पढ़ाने में दिनभर कोल्हू के बैल जैसा लगा रहता है।
7. **खून पसीना एक करना** (बहुत मेहनत करना)
   गौरव ने कक्षा में प्रथम स्थान पाने के लिए खून-पसीना एक कर दिया।

6. **घोड़े बेचकर सोना** (निश्चिंत होना)

परीक्षा खत्म होने से सभी बच्चे घोड़े बेचकर सो गए हैं।

7. **चिकना घड़ा होना** (बेशर्म होना)

मनोज तो चिकना घड़ा है, उस पर किसी बात का असर नहीं होने वाला।

8. **बाल-बाल बचना** (बहुत मुश्किल से बचना)

कल वाली सड़क दुर्घटना में राजेश बाल-बाल बचा।

9. **दाल में काला होना** (कुछ गड़बड़ होना)

मैंने सचिन का चेहरा देखते ही समझ लिया कि दाल में कुछ काला है।

10. **धूल फाँकना** (मारे-मारे फिरना)

सरकारी नौकरी के लिए अच्छे-अच्छों को धूल फाँकनी पड़ती है।

11. **नौ-दो ग्यारह होना** (भाग जाना)

प्रधानाचार्य के आते ही बगीचे में से सभी छात्र नौ-दो ग्यारह हो गए।

12. **बाएँ हाथ का खेल होना** (बहुत आसान काम होना)

राजीव को मनाना तो मेरे बाएँ हाथ का खेल है।

13. **बातें बनाना** (बढ़-चढ़कर बोलना)

अशोक कुछ नहीं करता सिर्फ बातें बनाता रहता है।

14. **भीगी बिल्ली बनना** (डर के कारण शांत रहना)

पिता जी के आते ही घर के सभी सदस्य भीगी बिल्ली बन गए।

15. **हजामत बनाना** (धन ठगना)

1000 रुपये का कोट 3000 रुपये में बेचकर
दुकानदार ने ग्राहक की हजामत बना दी।

16. **हवा से बातें करना** (बहुत तेज भागना)

ऊषा हवा से बातें करती है, फिर भी वह प्रतियोगिता हार गई।

17. **हाथ मलना** (पछताना)

समय निकल जाने पर हाथ मलने से अच्छा है कि आरंभ से ही तैयारी करो।

अभ्यास

1. बॉक्स में उचित मुहावरे चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(लेखन गतिविधि)

(क) रेनू ने सफलता पाने के लिए खून-पसीना एक कर दिया।

(ख) पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गए।

(ग) सुधा भी अब कान भरने लगी है।

(घ) दिव्यांश अपने पिता के लिए अंधे की लाठी समान है।

(ङ) गणित के ये सवाल हल करना तो अखिल के बाएँ हाथ का खेल है।

(च) सरला सारा दिन कोल्हू का बैल बनी रहती है।

(छ) पिता जी को देखते ही कविता भीगी बिल्ली बन गई।

अंधे की लकड़ी होना, बाएँ हाथ का खेल होना, नौ-दो ग्यारह होना, चुगली करना, भीगी बिल्ली बनना, कोल्हू का बैल, खून-पसीना एक करना

2. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) बाल-बाल बचना — बड़ी मुश्किल से बचना

(ख) चिकना घड़ा होना — कोई असर न हो

(ग) कान भरना — चुगली करना

(घ) दाल में काला होना — कुछ गड़बड़ होना

(ङ) छक्के छुड़ाना — परास्त कर देना – (आदेश)

रचनात्मक कार्य

निम्नांकित चित्रों के आधार पर मुहावरे लिखिए–

(क)

हजामत बनना

(ख)

हाथ मलना

(ग)

कान भरना

(घ)

अंधे की लाठी

(ङ)

चिकना घड़ा होना

(च)

ईद का चाँद होना

लोकोक्तियाँ

लोकोक्तियाँ भी मुहावरों की भाँति ही होती हैं। ये वे कथन होते हैं जो समाज में लोगों के अनुभवों के आधार पर प्रचलन में आते हैं तथा भाषा में अपना विशेष स्थ

उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे व अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग ऐ

इन्हें लोकोक्तियाँ कहते हैं–

उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे

अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग।